21. रचनात्मक अभिव्यक्ति (मौखिक रूप)

स्वयं कीजिए।

22. रचनात्मक अभिव्यक्ति (लिखित रूप)

स्वयं कीजिए।

23. अपठित गद्यांश

क. 1. ब 2. स 3. द 4. अ

ख. 1. अ 2. स 3. ब 4. स 5. अ

ग. 1. स 2. ब 3. स 4. द

घ. 1. स 2. ब 3. अ 4. ब

24. अपठित पद्यांश

क. 1. ब 2. अ 3. स 4. अ 5. ब

ख. 1. ब 2. अ 3. अ 4. स

ग. 1. स 2. अ 3. द 4. अ 5. ब

घ. 1. द 2. ब 3. ब 4. अ

25. पत्र लेखन

स्वयं कीजिए।

26. अनुच्छेद लेखन

स्वयं कीजिए।

27. निबंध लेखन

स्वयं कीजिए।

व्याकरण–08

1. भाषा, बोली, लिपि, व्याकरण एवं साहित्य

मौखिक प्रश्न

1. भाषा सार्थक ध्वनियों का वह समूह है, जिसके माध्यम से हम अपने विचार दूसरों के सामने रखते हैं और दूसरों के विचार ग्रहण करते हैं। 2. भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक और लिखित। 3. **मौखिक भाषा–** अपने विचार बोलकर प्रकट करना और सुनकर ग्रहण करना भाषा का मौखिक रूप कहलाता है। यही भाषा का मूल रूप है। इसे सीखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ता। भाषा के इस रूप का प्रयोग सबसे अधिक होता है। भाषण, वाद-विवाद, कहानी सुनाना, कविता पाठ, समाचार वाचन,

संवाद बोलना, आदि भाषा के मौखिक रूप के उदाहरण हैं। यह भाषा का अस्थायी रूप कहलाता है। **लिखित भाषा–** लिखित भाषा का जन्म मौखिक भाषा के उपरान्त हुआ है। यह भाषा का स्थायी रूप कहलाता है। इसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है। यह ज्ञान के संचय का साधन है। निबंध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, कविता-कहानी लेखन, पत्र-लेखन, संस्मरण तथा लेख आदि भाषा के लिखित रूप के उदाहरण हैं। यह भाषा का स्थायी रूप कहलाता है। **4.** ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए निर्धारित चिह्नों की व्यवस्था को लिपि कहते हैं। **5.** बोली भाषा का स्थानीय या क्षेत्रीय रूप होता है। इसका रूप स्थायी नहीं होता, वह सदा बदलता रहता है। इसका प्रयोग अकसर एक समूह के लोग अपने भावों-विचारों के परस्पर आदान-प्रदान के लिए करते हैं। इसका प्रयोग राज-काज या साहित्य रचना में नहीं होता। **6.** हिंदी भाषा में व्याकरण के तीन अंग होते हैं– **अ.** वर्ण-विचार **ब.** शब्द-विचार **स.** वाक्य-विचार। **7.** प्रत्येक भाषा का अपना साहित्य होता है। साहित्य को समाज का दर्पण भी कहा जाता है। समाज के लोकहित में रची रचनाएँ साहित्य कहलाती हैं। साहित्य ज्ञान का संचित कोश है। यह युगों से एकत्रित ज्ञान का भंडार है, जो पीढ़ियों से संचित होता आ रहा है। यह दो प्रकार का होता है– गद्य साहित्य और पद्य साहित्य।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** स **3.** अ **4.** ब **5.** स

ख. **1.** मातृभाषा **2.** बोली **3.** व्याकरण **4.** 14 सिंतबर **5.** साहित्य

ग.		**भाषा**	**लिपि**	**भाषा**	**लिपि**
	1.	संस्कृत	देवनागरी	**2.** अंग्रेजी	रोमन
	3.	उर्दू	फारसी	**4.** हिंदी	देवनागरी
	5.	पंजाबी	गुरुमुखी	**6.** मराठी	देवनागरी
घ.	**1.**	विद्यालय	विद्यालय	**2.** रव	ख
	3.	बुद्धि	बुद्धि	**4.** झ	झ
	5.	चाहिऐ	चाहिए	**6.** ञ	ञ
ङ	**1.**	मेवाड़ी	मारवाड़ी	**2.** अवधी	छत्तीसगढ़ी
	3.	गढ़वाली	कुमाऊँनी	**4.** ब्रजभाषा	हरियाणवी

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

2. वर्ण-विचार

मौखिक प्रश्न

1. भाषा की सबसे छोटी इकाई, जिसके खंड नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

हिंदी वर्णमाला में वर्ण के दो भेद होते हैं– स्वर और व्यंजन। **2.** वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं वर्णमाला में 33 व्यंजन होते हैं। **3.** स्वर तीन प्रकार के होते हैं– 1. ह्रस्व स्वर 2. दीर्घ स्वर 3. प्लुत स्वर। 4. **अयोगवाह–** ग्यारह स्वरों और तैंतीस व्यंजनों के अतिरिक्त हिंदी में दो वर्ण और भी हैं– अं और अः। ये दोनों वर्ण स्वरों के बाद लिखे जाते हैं। स्वतंत्र रूप से प्रयोग में न आने के कारण इनकी गणना न तो स्वरों में की जाती है और न ही व्यंजनों में, इसलिए ये अयोगवाह कहलाते हैं। **5.** व्यंजन तीन प्रकार के होते हैं– **अ.** स्पर्श व्यंजन **ब.** अंतस्थ व्यंजन **स.** ऊष्म व्यंजन। **6. अल्पप्राण–** जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से श्वास-वायु की मात्रा कम निकलती है, उन्हें अल्पप्राण कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा, पाँचवाँ वर्ण और अंतस्थ वर्ण अल्पप्राण कहलाता है।

क, ग, ङ च, ज, ञ ट, ड, ण, ड़ त, द, न प, ब, म य, र, ल, व

महाप्राण- जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से श्वास-वायु अधिक मात्रा में निकलती है, उन्हें महाप्राण कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चौथा वर्ण और ऊष्म वर्ण महाप्राण कहलाते हैं।

ख, घ छ, झ ठ, ढ, ढ़ थ, ध फ, भ श, ष, स, ह

7. सघोष- जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय हवा स्वर-तंत्रियों से टकराती हुई बाहर आती है और घर्षण पैदा होता है, वे सघोष ध्वनियाँ कहलाती हैं। प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा और पाँचवाँ व्यंजन अथवा य, र, ल, व, ह सघोष वर्ण कहलाते हैं।
स्वर- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

व्यंजन- ग, घ, ङ ज, झ, ञ, ड, ढ़, ण द, ध, न ब, भ, म

अघोष- जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वर-तंत्रियों में कंपन नहीं होता, वे अघोष वर्ण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला व दूसरा वर्ण और श, ष, स अघोष वर्ण हैं।

क, ख च, छ ट, ठ त, थ प, फ श, ष, स

8. किसी भी शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया वर्ण-विच्छेद कहलाती है।

वीरता - व् + ई + र् + अ + त् + आ

गुलाब - ग् + उ + ल् + आ + ब् + अ

विद्यालय - व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ

लिखने का समय

क. **1.** अ **2.** अ **3.** ब **4.** अ **5.** द

ख **1.** अ **2.** ऊष्म **3.** ह **4.** दीर्घ **5.** वर्णमाला

ग. **1.** हॉल **2.** डॉक्टर **3.** गंगा
4. बिंदी **5.** प्रातः **6.** चाँद

7. दाँत **8.** पुनः **9.** कंगन

घ. 1. पाठशाला – प् + आ + ठ् + अ + श् + आ + ल् + आ

2. भारतीय – भ् + आ + र् + अ + त् + ई + य् + अ

3. कार्यक्रम – क् + आ + र् + य् + अ + क् + अ + र् + म् + अ

4. वैज्ञानिक – व् + ऐ + ज् + य् + आ + न् + इ + क् + अ

5. विज्ञापन – व् + इ + ज् + य् + आ + प् + अ + न् + अ

6. पुस्तकालय – प् + उ + स् + त् + अ + क् + आ + ल् + अ + य् + अ

7. किताब – क् + इ + त् + आ + ब् + अ

8. आनंद – आ + न् + अ + न् + द् + अ

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

3. शब्द-विचार

मौखिक प्रश्न

1. वर्णों के मेल से बने सार्थक वर्ण समूह को शब्द कहते हैं। शब्दों का वर्गीकरण पाँच आधारों पर किया जाता है– **अ.** रचना के आधार पर **ब.** उत्पत्ति के आधार पर **स.** अर्थ के आधार पर **द.** व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर **य.** प्रयोग के आधार पर। **2. क.** रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद होते हैं– **(i)** रूढ़ शब्द **(ii)** यौगिक शब्द **(iii)** योगरूढ़ शब्द। **(ख)** उत्पत्ति के आधार पर शब्द पाँच प्रकार के होते हैं– **अ.** तत्सम शब्द **ब.** तद्भव शब्द **स.** देशज शब्द **द.** विदेशी शब्द **य.** संकर शब्द। **(ग)** अर्थ के आधार पर शब्द छह प्रकार के होते हैं– **अ.** एकार्थी शब्द **ब.** समानार्थी/पर्यायवाची शब्द **स.** विपरीतार्थी/विलोम शब्द **द.** अनेकार्थी शब्द **य.** अनेक शब्दों के लिए एक शब्द **र.** श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द। **(घ).** प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं– **(i)** सामान्य शब्द **(ii)** तकनीकी शब्द **3.** विकार का अर्थ है परिवर्तन। जो शब्द लिंग, वचन, कारक, काल आदि के प्रभाव से बदल जाते हैं, वे विकारी शब्द कहलाते हैं। ये चार प्रकार के होते हैं– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण। **4.** जो शब्द लिंग, वचन और काल आदि से प्रभावित नहीं होते, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। इन्हें अव्यय भी कहा जाता है। ये शब्द किसी भी स्थिति में हों, इनमें परिवर्तन नहीं होता। ये भी पाँच प्रकार के हैं– क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक, निपात। **5.** प्रश्न 2 का (घ) देखें

लिखने का समय

क. 1. स **2.** अ **3.** द **4.** ब **5.** अ

ख. 1. बहन 2. संकर 3. वरदान 4. यौगिक 5. अविकारी

ग.

	तत्सम	तद्भव		तत्सम	तद्भव
1.	अश्रु	आँसू	2.	मिष्ट	मीठा
3.	घोटक	घोड़ा	4.	उष्ट्र	ऊँट
5.	अग्र	आगे	6.	कपोत	कबूतर
7.	प्रस्तर	पत्थर	8.	अक्षि	आँख
9.	कूप	कुआँ			

घ.

1. **रूढ़ शब्द**	–	रोटी	चावल	आदमी	स्कूल	
2. **यौगिक शब्द**	–	फूलमाला	अनुशासन	राजपुत्र	पाठशाला	
3. **योगरूढ़ शब्द**	–	नीलकंठ	गजानन	नंदलाल	एकदंत	

ङ

1. **विकारी**	–	माता	सुभाष	मोटा	पढ़ना	उन्होंने
2. **अविकारी**	–	इसलिए	के पास	जल्दी	यहाँ	लेकिन

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

4. शब्द रचना : संधि

मौखिक प्रश्न

1. संधि शब्द का शाब्दिक अर्थ है– मेल या जोड़। व्याकरण में नियमानुसार जब दो वर्ण मिलकर अन्य वर्ण में परिवर्तित हो जाते हैं तथा पहले शब्द का अंतिम वर्ण और दूसरे शब्द का पहला वर्ण मिलने से जो परिवर्तन या विकार होता है उसे संधि कहते हैं। 2. संधि-युक्त शब्दों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया संधि-विच्छेद कहलाती है। उदाहरण– धर्म + आत्मा = धर्मात्मा; प्रति + एक = प्रत्येक; विद्या + आलय = विद्यालय; शरण + आगत = शरणागत। 3. संधि तीन प्रकार के होते हैं- **अ.** स्वर संधि **ब.** व्यंजन संधि **स.** विसर्ग संधि। 4. स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं– **अ.** दीर्घ संधि **ब.** गुण संधि **स.** वृद्धि संधि **द.** यण संधि **य.** अयादि संधि। 5. व्यंजन के पश्चात किसी स्वर या व्यंजन के आने पर जो परिवर्तन या विकार होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं। 6. विसर्ग (:) के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो परिवर्तन होता है वह विसर्ग संधि कहलाता है।

लिखने का समय

क. 1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. ब

ख. 1. i. 2. i. 3. ii. **4.** ii. 5. i. **6.** ii. 7. ii. 8. i.

ग. 1. शुभेच्छा 2. प्रत्येक

3. परोपकार 4. स्वागत

5. सूक्ति 6. मातृाज्ञा

7. वधूत्सव 8. संयोग

9. निष्पाप 10. हरिश्चंद्र

घ. 1. नर + इंद्र – गुण संधि 2. निः + धन – विसर्ग संधि

3. सूर्य + उदय – गुण संधि 4. नमः + ते – विसर्ग संधि

5. शिव + आलय – दीर्घ संधि 6. सम् + गति – व्यंजन संधि

7. उत् + लास – व्यंजन संधि 8. गै + इका – अयादि संधि

9. वि + सम – व्यंजन संधि 10. पौ + अन – अयादि संधि

ङ 1. रेखा + अंकित = गद्यांश में आए रेखांकित शब्दों के अर्थ लिखिए। 2. परीक्षा + अर्थी = यू०पी० बोर्ड की परीक्षा में सर्वाधिक परीक्षार्थी भाग लेते हैं। 3. नै + इका = रानी दुर्गावती एक नायिका की भाँति लड़ाई लड़ी थी। 4. उत् + नति = स्वतंत्रता के बाद भारत ने बहुत उन्नति की है। 5. सम् + कल्प = हमें संकल्प करके बड़ी मेहनत करनी चाहिए। 6. मनः + हर = मंदिर में भगवान महावीर की बहुत मनोहरी मूर्ति थी। 7. सूर्य + अस्त = सूर्यास्त से पूर्व भोजन कर लेना चाहिए। 8. वार्ता + आलाप = हमें वार्तालाप के समय अपनी आवाज धीमी रखनी चाहिए।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

5. शब्द रचना : समास

मौखिक प्रश्न

1. दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं। समास छह प्रकार के होते हैं– **अ.** अव्ययीभाव समास **ब.** तत्पुरुष समास **स.** कर्मधारय समास **द.** द्विगु समास **य.** द्वंद्व समास **र.** बहुव्रीहि समास। 2. समस्त पदों को अलग करके उनके परस्पर संबंध को स्पष्ट करने की प्रक्रिया समास-विग्रह कहलाती हैं। उदाहरण– **समस्त पद** : कमलनयन **विग्रह** : कमल के समान नयन। 3. कारक की दृष्टि से तत्पुरुष समास के छह भेद होते हैं– **अ.** कर्म तत्पुरुष **ब.** करण तत्पुरुष। **स.**संप्रदान तत्पुरुष **द.** अपादान तत्पुरुष **य.** संबंध तत्पुरुष **र.** अधिकरण तत्पुरुष। 4. **संधि और समास में अंतर– अ**. संधि में दो शब्दों के बीच ध्वनियों का मेल होता है और दोनों शब्द एक बन जाते हैं, लेकिन समास में दो संबद्ध पदों का पास-पास लाकर एक सार्थक शब्द बनाया जाता है। **ब.** संधि में विभक्ति या पद का लोप नहीं होता, लेकिन समास में विभक्ति और पद का लोप होता है। **स.** संधि-युक्त शब्दों को अलग करने की प्रक्रिया संधि-विच्छेद तथा समस्त पदों को

अलग करने की प्रक्रिया समास विग्रह कहलाती हैं। **5. कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर–** कुछ सामासिक शब्द कर्मधारय तथा बहुव्रीहि दोनों समासों में पाए जाते हैं। अतः इन दोनों का अंतर समझने के लिए इनके विग्रह को समझना आवश्यक है। कर्मधारय समास में दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध प्रकट होता है जबकि बहुव्रीहि समास में संपूर्ण समस्तपद किसी संज्ञा शब्द के विशेषण के कार्य करता है। **6. द्विगु और बहुव्रीहि समास में अंतर–** द्विगु समास में पूर्वपद उत्तरपद की संख्या बताता है जबकि बहुव्रीहि समास में दोनों पद मिलकर किसी अन्य पद का विशेषण होते हैं।

लिखने का समय

क. **1.** ख **2.** अ **3.** अ **4.** द **5.** स

ख. **1.** बहुव्रीहि **2.** द्विगु **3.** छह **4.** संप्रदान तत्पुरुष **5.** हस्तलिखित

ग. **1.** मेरे मित्र मेरे घर में **बेखटके** आते-जाते हैं। **2.** दिल्ली में **गगनचुंबी** कई इमारतें हैं। **3.** सूरदास **जन्मांध** थे। **4.** इस डॉक्टर ने मुझे **रोगमुक्त** किया। **5.** चेतन भगत की पुस्तकें **रातोंरात** में बिक गई।

घ.

	समस्त पद	विग्रह	समास का नाम
1.	घनश्याम	घन के समान है जो श्याम अर्थात् कृष्ण	बहुव्रीहि समास
2.	अन्याय	न न्याय	नञ् तत्पुरुष
3.	यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास
4.	प्राणप्रिय	प्राण के समान प्रिय	कर्मधारय समास
5.	राहखर्च	राह के लिए खर्च	संप्रदान तत्पुरुष
6.	नवग्रह	नौ ग्रहों का समूह	द्विगु समास
7.	परीक्षाभवन	परीक्षा के लिए भवन	संप्रदान तत्पुरुष
8.	हानि-लाभ	हानि या लाभ	दवंद्व समास
9.	गंगाजल	गंगा का जल	संबंध तत्पुरुष
10.	मुरलीधर	मुरली को धारण किया है जिसने अर्थात् कृष्ण	बहुव्रीहि समास

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

6. शब्द रचना : उपसर्ग

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्दांश किसी शब्द से पूर्व जुड़कर नए शब्द का निर्माण करके उसके अर्थ में नवीनता लाते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं। **2.** हिंदी में प्रयुक्त उपसर्गों को पाँच भागों में

बाँटा गया है– **अ.** संस्कृत के उपसर्ग **ब.** हिंदी के उपसर्ग **स.** उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग **द.** संस्कृत के अव्यय **य.** अंग्रेज़ी के उपसर्ग।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख.

	उपसर्ग		शब्द		उपसर्ग		शब्द
1.	अनु	–	अनुज	**2.**	अन	–	अनजान
3.	अव	–	अवगुण	**4.**	बिन	–	बिनबात
5.	प्रति	–	प्रत्येक	**6.**	हेड	–	हेडमास्टर
7.	दु	–	दुबला	**8.**	सत्	–	सत्कर्म
9.	खुश	–	खुशबू				

ग.

			उपसर्ग	मूलशब्द				उपसर्ग	मूलशब्द
1.	अनहोनी	–	अन	होनी	**2.**	बेगुनाह	–	बे	गुनाह
3.	पराजय	–	परा	जय	**4.**	पुनरागमन	–	पुनर्	आगमन
5.	दुष्कर्म	–	दुष्	कर्म	**6.**	अधोगति	–	अधः	गति

घ.

	उपसर्ग	मूलशब्द		नया शब्द		उपसर्ग	मूलशब्द		नया शब्द
1.	ना	समझ	–	नासमझ	**2.**	अव	गुण	–	अवगुण
3.	हर	दम	–	हरदम	**4.**	अधः	खिला	–	अधखिला
5.	उप	कार	–	उपकार	**6.**	उप	वास	–	उपवास

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

7. शब्द रचना : प्रत्यय

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्दांश शब्द के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में नवीनता लाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। **2.** प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं– कृत प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय। **3.** कृत प्रत्यय के पाँच भेद होते हैं– **अ.** कर्तृवाचक **ब.** कर्मवाचक **स.** करणवाचक **द.** भाववाचक **य.** क्रियावाचक। **3.** तद्धित प्रत्यय आठ प्रकार के होते हैं– **अ.** कर्तृवाचक **ब.** क्रमवाचक **स.** भाववाचक **द.** लघुतावाचक **य.** भाववाचक **र.** स्त्रीलिंग- वाचक **ल.** संबंधवाचक **व.** बहुवचनवाचक।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** द **3.** अ **4.** स **5.** अ

ख.	**शब्द**		**मूल शब्द**	**प्रत्यय**	**शब्द**		**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
1.	रिश्वतखोर	–	रिश्वत	खोर	**2.** ममेरा	–	मामा	एरा
3.	बाजीगर	–	बाजी	गर	**4.** चिकनाहट	–	चिकनी	आहट
5.	धोबिन	–	धोबी	इन	**6.** पुजारी	–	पूजा	आरी
7.	विषैला	–	विष	ऐला	**8.** रखवाला	–	रख	वाला
9.	तिगुना	–	तीन	गुना	**10.** भुलक्कड़	–	भूल	अक्कड़
ग. **1.**	हारा	–	पनिहारा	लकड़हारा	**2.** आनी	–	जेठानी	सेठानी
3.	बाज	–	चालबाज़	शेखीबाज	**4.** गिरी	–	दादागिरी	नेतागिरी
5.	इया	–	चिड़िया	बुढ़िया	**6.** आहट	–	चिकनाहट	कड़वाहट
7.	वान	–	धनवान	बलवान	**8.** तम	–	सुंदरतम	मधुरतम
9.	ईला	–	चकीला	सजीला	**10.** इका	–	नायिका	गायिका

घ.			**उपसर्ग**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
1.	अनुकरणीय	–	अनु	करण	ईय
2.	बदनसीबी	–	बद	नसीब	ई
3.	खुशखबरी	–	खुश	खबर	ई
4.	अपमानित	–	अप	मान	इत
5.	निडरता	–	नि	डर	ता
6.	परिपूर्णता	–	परि	पूर्ण	ता
7.	अनुभवी	–	अनु	भव	ई
8.	असामाजिक	–	अ	समाज	इक
9.	स्वतंत्रता	–	स्व	तंत्र	ता
10.	लापरवाही	–	ला	परवाही	ई

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

8. शब्द भंडार

मौखिक प्रश्न

1. जिन शब्दों का अर्थ एक समान होता है उन्हें पर्यायवाची अथवा समानार्थक शब्द कहते हैं। इन शब्दों में अर्थगत विशेषता होती हैं। इनमें समान अर्थ होते हुए भी सूक्ष्म

अंतर होता है। उदाहरण– आँख- नयन, चक्षु, नेत्र। **2.** अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को वाक्यांश के लिए एक शब्द भी कहा जाता है। **3.** जो शब्द पढ़ने और सुनने में एक समान प्रतीत होते हैं परंतु अर्थ की दृष्टि से इनमें भिन्नता होती है, ऐसे शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं। उदाहरण– अवधि और अवधी; अवधी - समय; अवधी - अवध की भाषा। **4.** हिंदी भाषा में अनेक ऐसे शब्द हैं जो एकार्थक प्रतीत होते हैं परंतु उनके अर्थ में भिन्नता होती है; उदाहरण– 'भवन' का अर्थ मकान तथा 'भुवन' का अर्थ संसार है। उपर्युक्त शब्द एकार्थक प्रतीत होते हुए भी अर्थ में भिन्नता रखते हैं।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** स **4.** अ **5.** स

ख. **1. सोना –** स्वर्ण, कनक। **2. लक्ष्मी –** रमा, कमला। **3. हृदय –** दिल, उर। **4. तालाब –** सरोवर, ताल। **5. कहानी –** कथा, गाथा। **6. पवित्र –** पावन, शुचि।

ग. **1.** मौखिक **2.** असभ्य **3.** कतु **4.** गृहस्थ **5.** दानव

घ.

सरस	–	नीरस
नूतन	–	पुरातन
ठोस	–	तरल
क्रय	–	विक्रय
नख	–	शिख
खरा	–	खोटा
ऋणी	–	उऋण

ङ

1. पानी	–	जल	सम्मान	**2. गुरु**	–	शिक्षक	बड़ा
3. जड़	–	मूर्ख	मूल	**4. आराम**	–	बगीचा	विश्राम
5. कल	–	मशीन	आने वाला कल	**6. अर्थ**	–	धन	मतलब
7. उत्तर	–	एकदिशा	जवाब	**8. तीन**	–	बाण	तट
9. चपला	–	चंचलस्त्री	लक्ष्मी	**10. पक्ष**	–	तरफ	पखवाड़ा

च. **1. कुल–** वंश : अपने कुल की मर्यादा की रक्षा के लिए राजा ने अपना बलिदान दे दिया।
कूल– किनारा : समुद्र का कूल बालू से भरा हुआ है।

2. उपयुक्त– ठीक : यह जूस रोगी के लिए उपयुक्त है।
उपर्युक्त– ऊपर कहा गया : उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. प्रणाम– नमस्कार : हमें अपने बड़ों को प्रणाम करना चाहिए।
प्रमाण– सबूत : इस बात का क्या प्रमाण है कि चोरी अनिकेत ने की है।

4. **भारती–** सरस्वती : माँ भारती की स्तुति से सारे कष्ट मिट जाते हैं।

भारतीय– हिंदुस्तानी : हमें अपने भारतीय होने पर गर्व है।

5. **धन्य–** कृतार्थ : मनुष्य जन्म देने के लिए हम भगवान के कृतार्थ है।

धान्य– अनाज : अच्छी वर्षा के कारण भरपूर धान्य हुआ है।

छ. 1. प्रसाद 2. नीयत 3. अपेक्षा 4. कोष 5. भव्य

ज. 1. सोनू निगम के गाने पर **श्रोताओं** ने खूब तालियाँ बजाईं। 2. रमेश के पिताजी **ग्रामीण** हैं। 3. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी **दूरदर्शी** हैं। 4. अभिनव आदित्य का **सहपाठी** है। 5. अमित कभी भी **कृतघ्न** है।

झ. 1. **आकाश में विचरण करने वाला –** नभचर : पक्षी नभचर में विचरण करते हैं।

2. **जो बहुत खर्च करता हो –** अपव्ययी : नेहा का भाई बहुत अपव्ययी है।

3. **जो दिखाई न दे –** अदृश्य : मोड़ आते ही उसकी गाड़ी अदृश्य हो गई।

4. **जानने की इच्छा रखने वाला –** जिज्ञाशु : उसका भाई बहुत जिज्ञासु है।

5. **वर्ष में एक बार होना वाला –** वार्षिक : रोहित ने अपनी वार्षिक परीक्षा उत्तीर्ण कर दी।

6. **जिसमें रस न हो –** नीरस : कवि ने नीरस माहौल में रस घोल दिया।

7. **जो सदा सत्य बोले –** सत्यवादी : हरिश्चंद्र एक सत्यवादी राजा थे।

8. **जो तीन मंजिल वाला हो –** तिमंजिला : रमा का मकान तिमंजिला है।

ञ. 1. अपराध 2. सम्राट 3. दया 4. ग्रंथ 5. लोभ

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

9. विकारी शब्द : संज्ञा

मौखिक प्रश्न

1. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। 2. संज्ञा के मुख्य रूप से तीन भेद होते हैं– **अ.** व्यक्तिवाचक संज्ञा **ब.** जातिवाचक संज्ञा **स.** भाववाचक संज्ञा। 3. कुछ विद्वानों द्वारा संज्ञा के दो अन्य भेद भी माने गए हैं– **अ. द्रव्यवाचक संज्ञा–** जिस संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य, पदार्थ या सामग्री का बोध होता हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण– सोना, चाँदी, लकड़ी, कोयला, दूध, घी, पानी आदि। **ब. समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा–** जो संज्ञा शब्द समूह, समुदाय या संग्रह का बोध कराते हों, उन्हें समूहवाचक संज्ञा या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण– सेना, जनता, भीड़, परिवार, सभी, दल, मंडली, टोली, समिति, कक्षा आदि। 4. **व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग–** कई बार व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग जातिवाचक संज्ञा की तरह किया जाता है। कभी-कभी किसी व्यक्ति का नाम उसके गुण का पर्याय बन जाता है तो उसका नाम जातिवाचक

संज्ञा की तरह प्रयोग किया जाता है। उदाहरण– भ्रष्टाचारी नेताओं के बाद भी देश में हरिश्चंद्रों की कमी नहीं है। ये विभीषण तो देश को बेच डालेंगे। **5.** भाववाचक संज्ञा की रचना पाँच प्रकार से होती है– **अ.** जातिवाचक से, **ब.** सर्वनाम से, **स.** विशेषण से, **द.** क्रिया से, **य.** अव्यय से।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** स **5.** द

ख. **1.** नरेंद्र मोदी – व्यक्तिवाचक **2.** शत्रुता – भाववाचक
3. सोने – द्रव्यवाचक **4.** कक्षा – समूहवाचक
5. लालकिला, दिल्ली – व्यक्तिवाचक

ग. **1.** मोटापा **2.** मिठास **3.** कृपणता **4.** व्यक्तित्व **5.** ऊपरी

घ. **1.** युवा – यौवन **2.** उभरना – उभार **3.** मानव – मानवता
4. गिरना – गिरावट **5.** आत्म – आत्मीयता **6.** खोजना – खोज
7. ठंडा – ठंडक **8.** चलना – चाल **9.** मना – मनाही

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

10. संज्ञा के विकार : लिंग

मौखिक प्रश्न

1. व्याकरण के अंतर्गत स्त्री-पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं। **2.** लिंग दो प्रकार के होते हैं– **अ.** पुल्लिग **ब.** स्त्रीलिंग। **3.** कुछ शब्द सदैव पुल्लिग में ही प्रयुक्त होते हैं, इन्हें नित्य-पुल्लिग भी कहा जाता है; जैसे– कछुआ, खटमल, तोता, बिच्छू, मगरमच्छ। कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग में ही प्रयुक्त होते हैं, इन्हें नित्य-स्त्रीलिंग भी कहा जाता है; जैसे– चील, छिपकली, मछली, मक्खी, मकड़ी। **4.** कुछ ऐसे शब्द/पदनाम होते हैं जो स्त्रीलिंग, पुल्लिग दोनों में समान रूप से प्रयोग होते हैं; जैसे– राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गवर्नर, डॉक्टर, प्रोफेसर।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** स **5.** अ

ख. **1.** **कवयित्री** ने मंच पर देशभक्ति की कविता सुनाई। **2.** अविनाश **की बहन विदुषी** है। **3.** लोगों ने **अभिनेत्री** के अभिनय की सराहना की। **4.** रमा की **देवरानी** और **जेठानी** कल आएँगी। **5.** **राजा** ने **दास** को स्वर्ण मुद्राएँ दीं।

ग. **1.** **इंद्र** – इंद्राणी **2.** **वीर** – वीरांगना
3. **बलवान** – बलवती **4.** **बिल्ली** – बिलाव

5. युवक	–	युवती	**6. राजपूत**	–	राजपूतानी
7. विधवा	–	विधुर	**8. याचक**	–	याचिका
9. सम्राज्ञी	–	सम्राट	10. **आयुष्मती**	–	आयुष्मान

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

11. संज्ञा के विकार : वचन

मौखिक प्रश्न

1. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। **2.** वचन के दो भेद होते हैं– **अ.** एकवचन **ब.** बहुवचन। **3.** नित्य-एकवचन रहने वाले शब्द – सोना, पृथ्वी, कृपा, दया, पानी। **4.** नित्य-बहुवचन रहने वाले शब्द– बाल, लोग, समाचार, हस्ताक्षर, दर्शन।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** अ **5.** ब

ख.

1. रीति	–	रीतियाँ	**2.** चिड़िया	–	चिड़ियाँ	**3.** सहेली	–	सहेलियाँ
4. दाना	–	दानें	**5.** कथा	–	कथाएँ	**6.** वधू	–	वधुएँ
7. वस्तु	–	वस्तुएँ	**8.** माँग	–	माँगें	**9.** थाली	–	थालियाँ
10. नीति	–	नीतियाँ	**11.** मक्खी	–	मक्खियाँ	**12.** कविता	–	कविताएँ

ग. **1.** कहानियाँ **2.** गन्ने **3.** हीरे **4.** शाखा **5.** टोपी

घ. **1.** बाढ़ से हुई बरबादी देखकर **रोहन के आँसू निकल गए।** **2.** दादाजी ने मकान बनवाने के लिए बैंक से **ऋण लिया।** **3.** पुजारी ने मुझे भगवान के दर्शन करने **दिए।** **4.** गुप्ता जी की दोनों **बहुएँ** सुंदर हैं। **5.** सुमन के दादा जी अभी-अभी **आए हैं।**

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

12. कारक

मौखिक प्रश्न

1. जिस रूप से संज्ञा या सर्वनाम का संबंध क्रिया तथा वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाए, उसे 'कारक' कहते हैं। **2.** कारक आठ प्रकार के होते हैं– **अ.** कर्ता कारक **ब.** कर्म कारक **स.** करण कारक **द.** संप्रदान कारक **य.** अपादान कारक **र.** संबंध कारक **ल.** अधिकरण कारक **व.** संबोधन कारक। **3.** कारक के मुख्यतः आठ भेद होते हैं तथा सभी के विभक्ति चिह्न भी होते हैं–

	कारक का नाम	विभक्ति या परसर्ग
अ.	कर्ता	ने
ब.	कर्म	को
स.	करण	से, के द्वारा के साथ (माध्यम या साधन)
द.	संप्रदान	के लिए, को
य.	अपादान	से (पृथकता, डर, तुलना, दूरी आदि के लिए)
र.	संबंध	का, के, की (संज्ञा में) रा, रे, री (सर्वनाम में)
ल.	अधिकरण	में, पर
व.	संबोधन	हे, रे, अरे, ओ

4. करण कारक– करण का अर्थ होता है- साधन या माध्यम। अतः क्रिया के करने अथवा होने के साधन या माध्यम बनने वाले संज्ञा अथवा सर्वनाम पद करण कारक कहलाते हैं। इसका परसर्ग 'से' तथा 'के द्वारा' होता है। उदाहरण– (i) रिया ने मक्खन से पराँठा खाया। (ii) ऋषभ कार द्वारा दिल्ली गया। **अपादान कारक–** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से अलग होने का भाव प्रकट हो, वहाँ अपादान कारक होता है। इसका परसर्ग 'से' होता है। उदाहरण– (i) पेड़ से पत्ते गिरते हैं। (ii) गंगा हिमालय से निकलती है। **5. कर्म कारक–** संज्ञा या सर्वनाम के जिस पद पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका परसर्ग 'को' होता है। उदाहरण– (i) पुलिस ने चोर को पीटा। (ii) अभिनव ने बच्चों को पढ़ाया। **संप्रदान कारक–** कर्ता जिसके लिए कुछ कार्य करता है या जिसे कुछ देता है, ऐसा बोध कराने वाले संज्ञा या सर्वनाम रूपों को संप्रदान कारक कहते हैं। इसका परसर्ग के लिए या को है। उदाहरण– (i) मामाजी नमिता के लिए गुड़िया लाए। (ii) मालकिन ने नौकरानी को वस्त्र दिए।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** स **3.** ब **4.** अ **5.** स

ख. **1.** बंदर पेड़ पर बैठा है। **2.** माँ ने गोभी के पकौड़े बनाए। **3.** पूनम की बेटी नई फ्रॉक लाई। **4.** बच्चा साँप से डर गया। **5.** दर्जी ने कैंची से कपड़ा काटा।

ग. **1.** ने **2.** की **3.** के लिए **4.** की **5.** में

घ. **1.** गिलहरी पेड़ पर बैठी है। **2.** मैंने रंगों से चित्र बनाया। **3.** सचिन ने फूलों का हार बनाया। **4.** पिताजी माँ के लिए उपहार लाए। **5.** आलोक ने अनुपमा को पढ़ाया।

ङ **1.** अरे! ये गिलास किसने तोड़ा?

2. प्रिया रिया से सुंदर है।

3. जसलीन ने स्वादिष्ट हलवा बनाया।

4. पिताजी मोक्ष के लिए नया लंच बाक्स लाए।

5. बल्ला कोने में तथा गेंद मेज पर रख दो।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

13. सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। 2. सर्वनाम के छह भेद होते हैं– **अ. पुरुषवाचक सर्वनाम–** बोलने वाले, सुनने वाले अथवा किसी तीसरे व्यक्ति के लिए प्रयुक्त होने वाले सर्वनामों को पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। *उदाहरण–* (i) मैं फुटबॉल खेल रहा हूँ। (ii) तुम कब लौटकर आओगे? **ब. निश्चयवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों से पास अथवा दूरी की किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चयात्मक बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। *उदाहरण–* (i) यह मेरा विद्यालय है। (ii) वह मेरा भाई है। **स. अनिश्चयवाचक सर्वनाम–** जो सर्वनाम शब्द अनिश्चित प्राणी, पदार्थ अथवा वस्तु के बदले प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहा जाता है। *उदाहरण–* (i) बाहर कोई खड़ा है। (ii) खाने में कुछ गिर गया है। **द. प्रश्नवाचक सर्वनाम–** जो सर्वनाम शब्द प्रश्न के रूप में किसी व्यक्ति या वस्तु के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। *उदाहरण–* (i) यह गिलास किसने तोड़ा? (ii) मुझे कौन बुला रहा था? **य. संबंधवाचक सर्वनाम–** जिस सर्वनाम शब्द से पहले और दूसरे उपवाक्य के संज्ञा या सर्वनाम से संबंध प्रकट होता है, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। *उदाहरण–* (i) जैसा बोओगे वैसा काटोगे। (ii) जितना परिश्रम करोगे उतने अच्छे अंक आएँगे। **र. निजवाचक सर्वनाम–** वाक्य में जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता के साथ अपनेपन का बोध कराने के लिए किया जाता है, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; *उदाहरण–* (i) मैं अपना खाना स्वयं बनाता हूँ। (ii) बच्चा अपने-आप सारा दूध पी गया। 3. पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते है– **अ.** उत्तम पुरुष **ब.** मध्यम पुरुष **स.** अन्य पुरुष 4. **निश्चयवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों से पास अथवा दूरी की किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चयात्मक बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। **अनिश्चयवाचक सर्वनाम–** जो सर्वनाम शब्द अनिश्चित प्राणी, पदार्थ अथवा वस्तु के बदले प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहा जाता है। 5. **संबंधवाचक सर्वनाम–** जिस सर्वनाम शब्द से पहले और दूसरे उपवाक्य के संज्ञा या सर्वनाम से संबंध प्रकट होता है, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसमें जो, जिसने, जिन्होंने, जिसे, जिसको, जिन्हें, जिनको आदि का प्रयोग होता है।

लिखने का समय

क. 1. स 2. अ 3. स 4. ब 5. अ

ख. 1. मुझे 2. कुछ 3. उसे 4. तुम 5. जिसने

ग. 1. कोई – अनिश्चयवाचक
2. मेरी – निजवाचक
3. जो-वह – संबंधवाचक
4. यह – निश्चयवाचक
5. स्वयं – निजवाचक

घ. 1. तुम्हारा पैन बढ़िया है। 2. उसे बुलाकर लाओ। 3. जिसने पीटा है उसे सजा दो। 4. हमारे घर मेहमान आए हैं। 5. मुझे विवाह समारोह में जाना है।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

14. विशेषण

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम के रूप, गुण, संख्या एवं मात्रा की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। 2. जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताई जाती है वे 'विशेष्य' कहलाते हैं। 3. जो शब्द विशेषण की भी विशेषता बताए, वे 'प्रविशेषण' कहलाते हैं। *उदाहरण–* (i) शालिनी की बहन बहुत सुंदर है। (ii) उसने गहरी नीली कमीज खरीदी। 4. विशेषण के मुख्यतः चार भेद होते हैं– **अ.** गुणवाचक विशेषण **ब.** संख्यावाचक विशेषण **स.** परिमाणवाचक विशेषण **द.** सार्वनामिक विशेषण। 5. **सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर–** कुछ सर्वनाम शब्दों का प्रयोग विशेषण के रूप में भी किया जाता हैं परंतु इस स्थिति में सर्वनाम शब्द तभी विशेषण कहलाएँगे जब उनके साथ संज्ञा शब्द का प्रयोग हो। सर्वनाम शब्द सदैव अकेले आते हैं क्योंकि वे संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं। **सर्वनाम–** (i) यह मेरी साइकिल है। (ii) वह कक्षा में देर से आई। **सार्वनामिक विशेषण–** (i) यह साइकिल मेरी है। (ii) वह लड़की कक्षा में देर से आई। 6. **संख्यावाचक विशेषण और परिमाणवाचक विशेषण में अंतर–** संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता एवं संख्या का बोध कराने वाले शब्द, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं जबकि इनकी माप-तौल बताने वाले शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। संख्यावाचक विशेषण में संज्ञा या सर्वनाम की गिनती की जाती है परंतु परिमाणवाचक विशेषण में उनकी गिनती न करके केवल वज़न या माप-तौल किया जाता है। *उदाहरण–* **संख्यावाचक विशेषण–** (i) परीक्षा भवन में चालीस बच्चे बैठे हैं। (ii) आज सर्दी के कारण थोड़े ही बच्चे आए हैं। **परिमाणवाचक विशेषण–** (i) पिताजी ने चालीस किलो गेहूँ खरीदा। (ii) दादा जी ने थोड़ा ही दूध पिया।

लिखने का समय

क. 1. स 2. द 3. ब 4. ब 5. स

ख. 1. सैकड़ों 2. बीस लीटर 3. बहुत 4. वह 5. श्रेष्ठतम

ग. **विशेषण– (क)** गहरी **(ख)** चार **(ग)** साँवला **(घ)** कुछ **(ङ)** थोड़ा

विशेष्य– (क) नीली **(ख)** मीटर **(ग)** रंग **(घ)** लोग **(ङ)** अनाज

घ. 1. तप – पतस्वी 2. पढ़ना – पढ़ाकू 3. दर्शन – दर्शनीय
4. पीना – पियक्कड़ 5. बाहर – बाहरी 6. पालना – पालनीय
7. कृपा – कृपालु 8. जयपुर – जयपुरी 9. पत्थर – पथरीला

ङ

मूलावस्था	**उत्तरावस्था**	**उत्तमावस्था**
महान	**महानतर**	**महानतम**
सुंदर	**सुंदरतर**	सुंदरतम
न्यून	न्यूनतर	**न्यूनतम**
प्रिय	**प्रियतर**	**प्रियतम**
गुरु	गुरुतर	**गुरुतम**
शीघ्र	**शीघ्रतर**	**शीघ्रतम**
विशाल	**विशालतर**	विशालतम
लघु	**लघुत्तर**	लघुत्तम

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

15. क्रिया

मौखिक प्रश्न

1. किसी भी कार्य के करने या होने का बोध कराने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं। **2.** क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। **3.** कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं– **अ.** अकर्मक क्रिया **ब.** सकर्मक क्रिया। **4.** रचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद होते हैं– **अ.** सामान्य क्रिया **ब.** संयुक्त क्रिया **स.** नामधातु क्रिया **द.** प्रेरणार्थक क्रिया **य.** पूर्वकालिक क्रिया। **5. नामधातु क्रिया–** संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण शब्दों में प्रत्यय जोड़ने से बनी क्रियाएँ नामधातु क्रियाएँ कहलाती हैं। **6. पूर्वकालिक क्रिया–** वाक्य में मुख्य क्रिया से पहले यदि कोई क्रिया हो चुकी है तो उसे पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं। *उदाहरण–* (i) रोहन खाना खाकर सो गया। (ii) बच्चे कार्टून देखकर हँसने लगे।

लिखने का समय

क. 1. ब 2. स 3. अ 4. स 5. अ

ख. 1. किया। 2. लिखा। 3. डरने लगा। 4. भागने लगे। 5. जाएँगें।

ग. **1.** संकर्मक **2.** एककर्मक **3.** अकर्मक **4.** सकर्मक **5.** अकर्मक

घ. **1.** लाज – लजाना **2.** झूठ – झुठलाना **3.** बात – बतियाना
4. फिल्म – फिल्माना **5.** हाथ – हथियाना **6.** चिकना – चिकनाना
7. शर्म – शर्माना **8.** टिम-टिम – टिमटिमाना **9.** अपना – अपनाना

ङ **संयुक्त क्रिया –** **1.** चला गया **2.** गाने लगा **3.** ले आए **4.** मार डाला **5.** घूरने लगा

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

16. काल

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। **2.** काल के मुख्यतः तीन भेद होते हैं– **अ.** भूतकाल **ब.** वर्तमान काल **स.** भविष्यत्काल। **3.** भूतकाल के निम्नलिखित छह भेद हैं– **अ.** सामान्य भूतकाल **ब.** अपूर्ण भूतकाल **स.** पूर्ण भूतकाल **द.** आसन्न भूतकाल **य.** संदिग्ध भूतकाल **र.** हेतुहेतुमद् भूतकाल। **4.** वर्तमान काल के तीन भेद होते हैं- **अ. सामान्य वर्तमान काल–** क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान काल में होने का पता चले; उसे सामान्य वर्तमान काल कहते हैं। *उदाहरण–* (i) अंजलि पत्र लिखती है। (ii) बच्चे मैदान में खेलते हैं। **ब. अपूर्ण वर्तमान काल–** क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया अभी समाप्त नहीं हुई, अभी चल रही है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं। *उदाहरण–* (i) रोहन और सोहन पतंग उड़ा रहे हैं। (ii) दादी माँ स्वैटर बुन रही है। **स. संदिग्ध वर्तमान–**क्रिया के जिस रूप में क्रिया के होने का संदेह हो, उसे संदिग्ध वर्तमान कहा जाता है। *उदाहरण–* (i) निधि अभी पढ़ रही होगी। (ii) माँ बाजार से आ चुकी होंगी। **5.** भविष्यत्काल के तीन भेद होते हैं– **अ. सामान्य भविष्यत्काल–** जब कोई कार्य भविष्य में होना निश्चित हो तथा सामान्य ढंग से हो, उसे 'सामान्य भविष्यत्काल' कहते हैं। *उदाहरण–* (i) आशा जी फिल्म में गीत गाएँगी। (ii) शिक्षिका नया पाठ पढ़ाएगी। **ब. संभाव्य भविष्यत्काल–** जहाँ आने वाले समय में क्रिया के होने अथवा करने की संभावना पाई जाए, संभाव्य भविष्यत्काल होता है। *उदाहरण–* (i) शायद कल हम राजस्थान घूमने जाए। (ii) संभव है मुझे साइकिल मिले। **स. हेतुहेतुमद् भविष्यत्काल–** क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि आने वाले समय में होने वाला कार्य किसी अन्य कार्य पर निर्भर होगा, तब उसे 'हेतुहेतुमद् भविष्यत्काल' कहते हैं। इसमें होने वाली क्रिया किसी कारण या शर्त पर निर्भर करती है। *उदाहरण–* (i) यदि तुम बुलाओगे तो मैं अवश्य आऊँगा। (ii) यदि तुम मेहनत करोगे तो अवश्य प्रथम आओगे।

लिखने का समय

क. **1.** द **2.** स **3.** स **4.** अ **5.** अ

ख. **1.** बनाया था। **2.** आ चुकी होगी। **3.** करेगा। **4.** कर लिया। **5.** बना रहा है।

ग. **1.** मयंक शिमला घूमने जाएगा। **2.** रवीश घर जा रहा है। **3.** सुहाना मेला देखने जा रही थी। **4.** नौकरानी ने बर्तन धो लिए होंगे। **5.** विराट हॉकी खेल रहा होगा।

घ. **क्रियापद– (क)** खेल रहे थे। **(ख)** घूमने जाएँगे। **(ग)** धो रही होगी। **(घ)** दिया। **(ङ)** पढ़ा रहा है।

भेद– (क) सामान्य भूतकाल **(ख)** हेतुहेतुमद् भविष्यत्काल **(ग)** संदिग्ध वर्तमान **(घ)** सामान्य भूतकाल **(ङ)** अपूर्ण वर्तमानकाल।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

17. वाच्य

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया का वह रूप जिससे पता चलता है कि वाक्य में कर्ता, क्रिया या भाव में से किसकी प्रधानता है, **वाच्य** कहलाता है। **2.** वाच्य तीन प्रकार के होते हैं– **अ.** कर्तृवाच्य **ब.** कर्मवाच्य **स.** भाववाच्य। **3.** जहाँ क्रिया का सीधा संबंध कर्म से हो, तथा जहाँ क्रिया पद के लिंग और वचन के अनुसार होती है, वहाँ कर्मवाच्य होता है। *उदाहरण–* (i) रोहित द्वारा क्रिकेट खेला जाता है। (ii) सरकार द्वारा पौधे लगाए गए। (iii) संजय द्वारा पतंग उड़ाई जाती है। (iv) बच्चों द्वारा प्रोजेक्ट बनाया गया। **4. कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाना–** (i) कर्ता के साथ से, द्वारा जोड़ा जाता है। (ii) क्रिया को एकवचन, पुल्लिग, अन्य पुरुष में किया जाता है। (iii) क्रिया को सामान्य भूतकाल में बदला जाता है तथा काल के अनुसार 'जाना' सहायक क्रिया के रूप में प्रयोग में लाया जाता है।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** द **3.** ब **4.** ब

ख. **1.** भाववाच्य **2.** भाववाच्य **3.** कर्मवाच्य **4.** कर्तृवाच्य **5.** भाववाच्य

ग. **1** दादी से सुबह शाम रामायण पढ़ी जाती है। **2.** रवीश से सोया जाता है। **3.** नौकरानी ने कपड़े धोए। **4.** नौकरानी द्वारा बर्तन धोए जा रहे हैं। **5.** मयंक से हॉकी खेला जाता है।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

18. अविकारी शब्द/अव्यय

मौखिक प्रश्न

1. अविकारी शब्द वे होते हैं जिनमें लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं आता। **2.** अविकारी शब्द पाँच प्रकार के होते हैं– **अ.** क्रियाविशेषण **ब.** संबंधबोधक **स.** समुच्चयबोधक **द.** विस्मयादिबोधक **य.** निपात। **3. क्रियाविशेषण**– इसके नाम से स्पष्ट हो जाता है कि जो शब्द क्रिया की विशेषता अर्थात् उसकी रीति, ढंग, समय, स्थान एवं मात्रा का बोध कराएँ, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं। सरल शब्दों में कहा जा सकता है– क्रिया की विशेषता बताने वाले अविकारी शब्द, क्रियाविशेषण कहलाते हैं। *उदाहरण*– (i) कछुआ धीरे-धीरे चलता है। (ii) हमें प्रतिदिन स्नान करना चाहिए। **4.** क्रियाविशेषण के चार भेद होते हैं– **अ.** रीतिवाचक क्रियाविशेषण **ब.** कालवाचक क्रियाविशेषण **स.** स्थानवाचक क्रिया-विशेषण **द.** परिमाणवाचक क्रियाविशेषण। **5.** समुच्चयबोधक के दो भेद होते हैं– **अ. समानाधिकरण** (i) संयोजक (ii) विकल्पक (iii) विरोधवाचक (iv) परिमाणवाचक **ब. व्यधिकरण** (i) उद्देश्यवाचक (ii) कारणबोधक (iii) संकेतबोधक (iv) स्वरूप-बोधक। **6.** जो अव्यय संज्ञा या सर्वनाम के बाद लगकर उसका संबंध वाक्य में आए हुए दूसरे शब्दों के साथ बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं। **7.** जो अव्यय विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा आदि मनोभावों को व्यक्त करते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं। ऐसे शब्दों के बाद विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है। **8.** जो अव्यय शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ को बल प्रदान करते हैं, वे निपात कहलाते हैं।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** ब **4.** ब **5.** स

ख. **1.** धीरे-धीरे **2.** जोर-से **3.** खूब **4.** थोड़ा **5.** आजकल

ग. **क्रियाविशेषण – 1.** ज्यादा **2.** अचानक **3.** जल्दी-जल्दी **4.** तत्काल **5.** भीतर

भेद – 1. परिमाणवाचक **2.** रीतिवाचक **3.** रीतिवाचक **4.** कालवाचक **5.** स्थानवाचक

घ. **1.** के अंदर **2.** से अधिक **3.** के साथ **4.** के सामने **5.** के ऊपर

ङ **1.** राहुल गाने का अभ्यास कर रहा है क्योंकि उसे इंडियन आयडल में जाना है। **2.** वह दौड़ता हुआ स्टेशन पहुँचा फिर भी ट्रेन पकड़ने में असफल रहा। **3.** उसे अध्यापक ने नहीं बल्कि बच्चों ने मारा है। **4.** खूब परिश्रम करो ताकि अच्छे अंक ला सको। **5.** मुझे भूख लग रही थी इसलिए मैंने पकौड़े ही खा लिए।

च. **1.** मैं घर जा रहा हूँ <u>क्योंकि</u> मुझे बुखार है। **2.** आप चाय पीएँगे <u>या</u> काफी। **3.** ऐसे काम करो <u>ताकि</u> सबका भला हो। **4.** मैं तेज-तेज चला <u>वरना</u> ट्रेन छूट जाती। **5.** वह पढ़ता तो नहीं <u>लेकिन</u> खेलता बढ़िया है।

छ.

1.	बाप रे!	→	भयसूचक	✓	**6.**	छी-छी	→	घृणासूचक	✓
2.	शाबाश!	→	प्रशंसासूचक	✓	**7.**	काश!	→	आश्चर्यसूचक	×
3.	अरे!	→	हर्षसूचक	×	**8.**	अच्छा!	→	स्वीकृतिसूचक	✓
4.	सावधान!	→	चेतावनीसूचक	✓	**9.**	हाय!	→	शोकसूचक	✓
5.	वाह!	→	विस्मयसूचक	×	**10.**	ऐ!	→	इच्छासूचक	×

ज. **1.** ही **2.** तक **3.** भर **4.** भी **5.** मात्र

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

19. पद-परिचय

मौखिक प्रश्न

1. वाक्य में प्रयुक्तः पदों का व्याकरणिक परिचय ही पद-परिचय कहलाता है। **2.** पद परिचय के अंतर्गत वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक पद अलग-अलग पूर्ण परिचय दिया जाता है। इनमें पद का भेद, उपभेद, लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि का परिचय दिया जाता है। **3.** पद-परिचय देते समय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक आदि का व्याकरणिक परिचय दिया जाता है।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** स **3.** द **4.** अ

ख. **1.** क्रमसूचक संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन करना विशेष्य का विशेषण। **2.** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक। **3.** विस्मयादिबोधक, प्रशंसा का भाव प्रशंसासूचक। **4.** पुरुषवाचक उत्तम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, आएगी, क्रिया का कर्ता। **5.** रीतिवाचक क्रियाविशेषण, चलने क्रिया की विशेषता। **6.** कालवाचक संबंधबोधक, जुलूस समुदायवाचक संज्ञा से संबंध। **7.** सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता निमिशा की क्रिया।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

20. वाक्य-विचार

मौखिक प्रश्न

1. शब्दों का सार्थक एवं व्यवस्थित समूह, जो भाव या विचार को पूर्णतया व्यक्त कर

सके, वाक्य कहलाता है। **2.** वाक्य के दो प्रमुख अंग होते हैं– **अ.** उद्देश्य **ब.** विधेय। **3.** रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं– **ब.** सरल वाक्य **स.** संयुक्त वाक्य **द.** मिश्रित वाक्य। **4.** अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं– **अ.** विधानवाचक वाक्य **ब.** निषेधवाचक वाक्य **स.** आज्ञावाचक वाक्य **द.** प्रश्नवाचक वाक्य **य.** इच्छावाचक वाक्य **र.** संदेहवाचक वाक्य **ल.** संकेतवाचक वाक्य **व.** विस्मयवाचक वाक्य। **5.** आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं– **अ.** संज्ञा उपवाक्य **ब.** विशेषण उपवाक्य **स.** क्रियाविशेषण उपवाक्य।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** द **4.** द **5.** ब

ख.

	उद्देश्य	विधेय
1.	मेरी बड़ी बहन नेहा	कल ऑस्ट्रेलिया जाएगी।
2.	नकाबपोश डाकू	पकड़ा गया
3.	नरेंद्र मोदी ने	किसान को अपना मित्र बनाया।
4.	झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई	वीरांगना थी।
5.	अजय के भाई ने	विजय को हिंदी पढ़ाई।

ग. **1.** मालती बर्तन धोओ। **2.** मयंक ने खाना नहीं खाया। **3.** माँ शायद कल हरिद्वार जाएँगी। **4.** यदि तुम बुलाते तो मैं आ जाता। **5.** काश! मैं भी यूरोप घुमने जा पाता।

घ.

	प्रधान वाक्य	आश्रित उपवाक्य
1.	अध्यापक चाहते हैं	उनके शिष्य अच्छे बनें।
2.	वह बच्चा खड़ा हो जाए	जिसने खिड़की का शीशा तोड़ा है।
3.	मैं जहाँ-जहाँ भी गया	वहाँ मेरा आदर हुआ।
4.	जब-जब वर्षा हुई	फसल भी अच्छी हुई।
5.	अजय ने देखा	चार आदमी धीरे-धीरे बातें कर रहे थे।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

21. पदबंध

1. वाक्य में कई पदों से बना अंश जो इकाई के रूप में कार्य करता है, पदबंध कहलाता है। **2.** पदबंध के पाँच भेद होते हैं– **अ.** संज्ञा पदबंध **ब.** सर्वनाम पदबंध **स.** विशेषण पदबंध **द.** क्रिया पदबंध **य.** क्रियाविशेषण पदबंध।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** द **3.** स **4.** स **5.** अ

ख.

	उद्देश्य	विधेय
1.	माँ अचार के लिए	कच्चे हरे तथा बड़े आम लाईं।
2.	आसमान में उड़ती हुई चील	ने पक्षी पर झपट्टा मारा।
3.	वह	सारी मुसीबतों को सहता हुआ जिए जा रहा था।
4.	सुषमा	अत्यंत ध्यानपूर्वक रियाज़ करती है।
5.	सदा खिलखिलाने वाले।	तुम आज शांत क्यों हो?

ग. **1.** मेहनत करने वाला वह **2.** करते-करते सो गया। **3.** दादीजी ने मुझे **4.** परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण वह **5.** अचानक बहुत भयंकर

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

22. विराम चिह्न

1. भाषा में भावों विचारों एवं अर्थ की स्पष्टता के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वे विराम-चिह्न कहलाते हैं। **2.** विराम चिह्न मुख्यतः 13 प्रकार के होते हैं– 1. पूर्ण विराम - (।) 2. अल्प विराम - (,) 3. अर्ध विराम - (;) 4. प्रश्न सूचक चिह्न - (?) 5. विस्मयादिबोधक चिह्न - (!) 6. निर्देशक चिह्न - (–) 7. योजक चिह्न - (-) 8. कोष्ठक चिह्न - (( )) 9. उद्धरण चिह्न - (" ") 10. लाघव चिह्न - (°) 11. विवरण चिह्न - (:-) 12. हंस पद या त्रुटिपूरक चिह्न - (^) 13. उपविराम चिह्न - (:)। **3.** विराम-चिह्नों का प्रयोग वाक्य के मध्य में तथा वाक्य के अंत में किया जाता है।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** ब **4.** अ **5.** स

ख. **1.** पिताजी, बाजार से आम, केला, सेब और संतरे लाए। **2.** अरे! तुम कब आए? **3.** भय के मारे उसका फूल-सा चेहरा पीला पड़ गया। **4.** पं० जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। **5.** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा,"अच्छे दिन आने वाले हैं।"

ग.

1.	त्रुटिपूरक चिह्न	^	**2.** उपविराम	:	**3.** निर्देशक चिह्न	–
4.	अर्धविराम चिह्न	;	**5.** अल्प विराम	,	**6.** उद्धरण चिह्न	" "
7.	योजक चिह्न	–	**8.** विवरण चिह्न	:–	**9.** प्रश्नवाचक चिह्न	?

घ.

चिह्न		नाम
1. ।	**(स)**	पूर्ण विराम चिह्न
2. !	**(द)**	विस्मयादिबोधक चिह्न
3. –	**(य)**	निर्देशक चिह्न

4. ? **(अ)** प्रश्नवाचक चिह्न

5. :- **(ब)** विवरण चिह्न

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

23. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

1. मुहावरा शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है– रूढ़ वाक्यांश। अभिप्राय यह है कि जब कोई वाक्यांश सामान्य के बजाय विशिष्ट अर्थ का बोध कराता है तो वह मुहावरा कहलाता है। जो भाव सामान्य वाक्य से प्रकट होना कठिन होता है वह मुहावरे के प्रयोग द्वारा प्रभावशाली ढंग से प्रकट होता है। **उदाहरण :** 'आग में घी डालना' मुहावरे का अर्थ वास्तव में जलती अग्नि में घी डालना नहीं बल्कि क्रोध को और भड़काना है।
2. लोकोक्ति शब्द 'लोक' और 'उक्ति' दो शब्दों के योग से बना है जिसका अर्थ है– लोक में प्रचलित उक्ति अर्थात लोगों द्वारा कही गई उक्ति। मनुष्यों के अनुभव के आधार पर कुछ कथन समाज में प्रचलित हो जाते हैं जो लोकोक्ति कहलाते हैं। लोकोक्ति भी मुहावरों की भाँति सामान्य अर्थ की बजाय विशिष्ट अर्थ प्रकट करती है।
3. मुहावरे और लोकोक्तियों में अंतर– अ. मुहावरे वाक्यांश होते हैं, जबकि लोकोक्तियाँ पूर्ण वाक्य होती हैं। **ब.** मुहावरे अधिकांशतः शरीर के अंगों पर आधारित होते हैं; जैसे अँगूठा दिखाना, आँख का तारा, उँगली पर नचाना, कमर कसना, आस्तीन का साँप आदि, जबकि लोकोक्तियाँ लोगों द्वारा कही गई उक्तियाँ या कथन होती हैं। **स.** मुहावरे वाक्य में प्रयोग करते समय लिंग, वचन, कारक के अनुसार परिवर्तित हो जाते हैं, जबकि लोकोक्तियाँ पूर्ण वाक्य होती हैं। वाक्यों में प्रयोग करते समय इनका रूप परिवर्तन नहीं होता। **द.** मुहावरे से वाक्य प्रभावशाली बनता है। लोकोक्ति किसी बात के समर्थन, विरोध एवं खंडन के लिए प्रयोग होती है।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** अ **3.** ब **4.** अ **5.** ब

ख. **1.** रहकर मगरमच्छ से बैर नहीं करते। **2.** आँख नहीं **3.** आग-बबूला हो गए। **4.** जाने अदरक का स्वाद **5.** मिट्टी का

ग. **1. पुरानी बातों का दृढ़ता से पालन करना–** अमित के पिताजी खेती की पुरानी पद्धति अपनाकर लकीर के फकीर बने हुए हैं। **2. अभीमान भरी बातें करना–** नेहा का भाई हमेशा अपनी पढ़ाई की शेखी बघारता रहता है। **3. संगठन में बल होता है–** हम दोनों मिलकर इस पत्थर को हटा सकते हैं क्योंकि एक और एक ग्यारह होते हैं। **4. केवल कल्पनाएँ करना–** अर्जुन, हवाई किले बनाने बंद करो और कुछ काम करो। **5. साफ मना करना–** अमन का टका-सा जवाब सुनकर नमन उदास हो गया।

घ. 1. सावन के अंधे को **हरा-ही-हरा दिखाई देता है।**

2. लातों के भूत **बातों से नहीं मानते**।

3. साँप भी मर जाए **और लाठी भी न टूटे।**

4. खिसियानी बिल्ली **खंभा नोचे।**

5. जो गरजते हैं वो **बरसते नहीं।**

6. मुँह में राम **बगल में छुरी।**

7. होनहार बिरवान के **होते चिकने पात।**

8. गंगा गए गंगादास **जमुना गए जमुनादास।**

9. घर का भेदी **लंका ढाए।**

10. खरबूजे को देख **खरबूजा रंग बदलता है।**

ङ 1. स्वच्छता अभियान के लिए सभी की आवश्यकता होती है। **अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता**।

2. लोकसभा में मोदी जी के आगे किसी की **दाल नहीं गली**।

3. रोहिला से दोस्ती मत करना वह तो **आस्तीन का साँप है**।

4. इस साधारण-सी बात पर तुम इतने **आग-बबूला क्यों हो रहे हो**?

5. फैक्टरी शुरू होते ही कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। **सिर मुँडाते ही ओले पड़ना**।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

24. अलंकार

1. अलंकार का शाब्दिक अर्थ है– आभूषण या गहना। जिस प्रकार आभूषण पहनने से स्त्रियों के सौंदर्य में चार चाँद लग लाते हैं। उसी प्रकार अलंकार काव्य के आभूषण हैं। अलंकारों के प्रयोग से काव्य में चमत्कारिक वृद्धि होती है। इनके प्रयोग से भाषा प्रभावशाली एवं आकर्षक बनती है। **2.** अलंकार के दो प्रमुख भेद होते हैं– **अ.** शब्द अलंकार **ब.** अर्थालंकार। **3.** जिन अलंकारों में शब्दों के द्वारा चमत्कार उत्पन्न किया जाता हैं उन्हें शब्दालंकार कहते हैं। *उदाहरण*– (i) मुदित महिपति मंदिर आए। (ii) सेवक सचिव सुमंत बुलाएँ। **4.** शब्दालंकार के निम्नलिखित भेद हैं– **अ.** अनुप्रास अलंकार **ब.** यमक अलंकार **स.** श्लेष। **5.** अर्थालंकार के निम्नलिखित प्रकार होते हैं– 1. उपमा 2. रूपक 3. उत्प्रेक्षा 4. अतिश्योक्ति।

लिखने का समय

क. **1.** द **2.** ब **3.** स **4.** स

ख. **1.** रूपक **2.** अनुप्रास **3.** यमक **4.** उपमा **5.** यमक **6.** श्लेष **7.** अतिश्योक्ति **8.** उत्प्रेक्षा

9. रूपक 10. अतिश्योक्ति

ग. 1. ब 2. य 3. ल 4. र 5. स 6. द 7. अ

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

25. मौखिक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

26. अपठित गद्यांश

स्वयं कीजिए।

27. अपठित काव्यांश/पद्यांश

स्वयं कीजिए।

28. संवाद लेखन

स्वयं कीजिए।

29. विज्ञापन लेखन

स्वयं कीजिए।

30. प्रतिवेदन लेखन

स्वयं कीजिए।

31. पत्र लेखन

स्वयं कीजिए।

32. अनुच्छेद लेखन

स्वयं कीजिए।

33. निबंध लेखन

स्वयं कीजिए।